

**परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, इन्दौर**

**शैक्षणिक सत्र 2020-21**

कक्षा - आठ विषय - संस्कृत

रुचिरा भाग ३

पाठ - कण्टकेनैव कण्टकम्

# ढौडुडुल- 1

ढंजु देवी, प्रसुततकरुी  
प्र. सुनल. अ. (हलनुदी /  
संसुकृत)

# वने व्याधः (जंगल में शिकारी)



# वने व्याघ्र: (जंगल में बाघ)



# वने लोमशिका (जंगल में लोमड़ी)





0851CH05

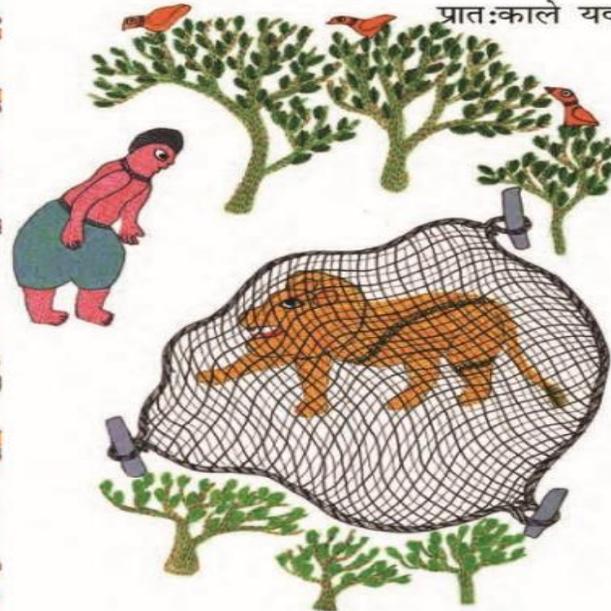
पञ्चमः पाठः



## कण्टकेनैव कण्टकम्

[मध्यप्रदेश के डिण्डोरी ज़िले में परधानों के बीच प्रचलित एक लोककथा है। यह पञ्चतन्त्र की शैली में रचित है। इस कथा में यह स्पष्ट किया गया है कि संकट में चतुराई एवं प्रत्युत्पन्नमतित्व से बाहर निकला जा सकता है।]

आसीत् कश्चित् चञ्चलो नाम व्याधः। पक्षिमृगादीनां ग्रहणेन सः स्वीयां जीविकां निर्वाहयति स्म॥ एकदा सः वने जालं विस्तीर्य गृहम् आगतवान्। अन्यस्मिन् दिवसे



प्रातःकाले यदा चञ्चलः वनं गतवान् तदा सः दृष्टवान् यत् तेन विस्तारिते जाले दौर्भाग्याद् एकः व्याघ्रः बद्धः आसीत्। सोऽचिन्तयत्, 'व्याघ्रः मां खादिष्यति अतएव पलायनं करणीयम्।' व्याघ्रः न्यवेदयत्-'भो मानव! कल्याणं भवतु ते। यदि त्वं मां मोचयिष्यसि तर्हि अहं त्वां न हनिष्यामि।' तदा सः व्याधः व्याघ्रं जालात् बहिः निरसारयत्। व्याघ्रः क्लान्तः आसीत्। सोऽवदत्, 'भो मानव! पिपासुः अहम्। नद्याः जलमानीय मम पिपासां शमय। व्याघ्रः जलं पीत्वा पुनः

## शब्दार्थः

कश्चित् - कोई।

व्याधः - शिकारी, बहेलिया।

ग्रहणेन - पकड़ने से

स्वीयाम् - स्वयं की।

निर्वाहयति स्म - चलाता था।

# शब्दार्थः

विस्तीर्य - फैलाकर।

आगतवान् - आ गया

विस्तारिते - फैलाए गए (में)

दौर्भाग्यात् - दुर्भाग्य से

बद्धः - बँधा हुआ

## शब्दार्थः

पलायनम् - भाग जाना

न्यवेदयत् - निवेदन किया

कल्याणम् - सुख/हित

मोचयिष्यसि - मुक्त करोगे

हनिष्यामि - मारुंगा

**शब्दार्थः**

**निरसारयत् - निकाला**

**कलान्तः - थका हुआ**

**पिपासुः - प्यासा**

**जलमानीय - पानी को लाकर**

**पिपासां - प्यास**

**शमय - शान्त करो/मिटाओ**

# प्रश्नोत्तर

**प्रश्न:1.** एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए)

**(क)** व्याधस्य नाम किम् आसीत्?

**उत्तरम्:** - चंचलः

**(ख)** चञ्चलः व्याघ्रं कुत्र दृष्टवान्?

**उत्तरम्:** - वने (जाले) ।

# प्रश्नोत्तर

**प्रश्न: 2.** पूर्ण वाक्येन उत्तरत-(पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए)  
(क) चञ्चलेन वने किं कृतम्?

**उत्तरम्** - चञ्चलेन वने जालं विस्तारितम्।

**प्रश्न: 3.** रेखांकित पदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणम्-(रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न का निर्माण कीजिए-)

(क) व्याधः व्याघ्र जालात् बहिः निरसारयत्।

**उत्तरम्** - व्याधः व्याघ्र कस्मात् बहिः निरसारयत् ?

# इति



# धन्यवाद!